# PRE BOARD EXAMINATION-1

**(Summative assessment – II, 2013)**

**HB 2026**

## हिन्दी 'ब'

## कक्षा – X

**समय : 3 घण्टे** **अधिकतम अंक : 90**

**निर्देश :**

(1) इस प्रश्न पत्र के **चार खंड हैं – क, ख, ग और घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

(4) <u>पठित गद्य से मूल्यपरक प्रश्न (पूरक पुस्तक)</u>

## खण्ड – क

**1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –** 1x5=5

बचपन की मिठास और यौवन की मादकता हम सब चाहते हैं, पर बढ़ापे के निविड़ अंधकार की भयावहता कोई नहीं चाहता। दु:ख बड़ा हो या छोटा, अच्छा नहीं लगता, पर सहना पड़ता है। जीवन का यह एक ऐसा कटु सत्य है कि आज तक दु:ख से कोई बचा नहीं। दु:ख बिन बुलाये आ जाता है और सुख आग्रह करने पर भी रहता नहीं, चला जाता है। हम गये हुए सुख के लिए तरसते हैं, आये हुए दु:ख से घबड़ाकर बिलखते हैं और सुख पुनः आएगा, इस तृष्णा में जीते हैं। ऐसी दयनीय दशा है हमारी। सोचने की बात यह है कि दु:ख वस्तुतः बुरा होता तो जीवन में आता क्यों? हमारी दैनिक अनुभूति के अनुसार तो दु:ख जीवन का अभिशाप मालूम होता है। इसलिए कि अब तक हमने केवल दु:ख को भोगा है, इसका कभी सदुपयोग नहीं किया, अन्यथा जीवन में क्रांति आ गई होती। दु:ख स्वयं में न तो प्रशंसनीय है और न निंदनीय है। यदि हम दु:ख के प्रभाव से प्रभावित होकर सचेत होते हैं तो दु:ख भी वरदान है। कामना-पर्ति में सुख का और कामना अपूर्ति में दु:ख का भास होता है। आया हुआ दु:ख सुख में भी दु:ख का दर्शन करा दे, तो यह दु:ख का प्रभाव है। दु:ख का प्रभाव हमें सुख-दु:ख के बन्धन से मुक्त करता है। दु:ख के प्रभाव से चेतना जगती है, जिससे दु:ख के कारण का पता चलता है। सुख के भोगी को दु:ख भोगना ही पड़ता है। कामनापूर्ति को जीवन मान लेने पर कामना-अपूर्ति का घोर संताप भोगना पड़ता है। दु:ख का भोगी दूसरों को दु:ख देता है। जिस पर दु:ख का प्रभाव हो जाता है, वह किसी को दु:ख नहीं देता। वह तो पर-पीड़ा से करुणित ही होता है। दु:ख से घबड़ाकर हम करणीय एवं अकरणीय कर्म कर बैठते हैं, परिणाम में कई गुना दु:ख पाते हैं।

(क) कौन बिन बुलाए आ जाता है :

(1) मेहमान (2) दु:ख (3) पड़ोसी (4) रिश्तेदार

(ख) जिस पर दु:ख का प्रभाव हो जाता है, वह किसी को दु:ख नहीं देता, बल्कि वह तो :

(1) दूसरों को सुख देता है। (2) दूसरों को परेशान नहीं करता है।

(3) दूसरों के दु:ख से दु:खी हो जाता है। (4) दूसरों के सुख से खुश होता है।

(ग) जो व्यक्ति अपना सुख देकर दूसरों के दु:ख को अपनाता है उसके जीवन में

(1) सुख आता है। (2) आनन्द आता है।
(3) ऐश्वर्य आता है। (4) ऐश्वर्य व माधुर्य आता है।

(घ) कामनापूर्ति का अर्थ है –
(1) कामना और पूर्ति। (2) इच्छा पूरी होना।
(3) इच्छा अधूरी रहना। (4) मन का पूरा भर जाना।

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा –
(1) सुख का सदुपयोग (2) दु:ख का सदुपयोग
(3) दु:ख का प्रभाव (4) बुढ़ापे की कहानी

**2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए –** **1x5=5**

निज भाषा उन्नति अहै, सब भाषन को मूल–हिन्दी साहित्य के इतिहास को एक नयी सृष्टि देने वाले, अत्यंत अल्पायु में भी साहित्य एवं समाज को उत्कृष्टि देने वाले, विलक्षण प्रतिभाओं के धनी भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म सन् 1850 ई. में काशी में हुआ था। पिता बाबू गोपालचन्द्र 'गिरधरदास' उपनाम से कविता लिखने वाले श्रेष्ठ कवि थे। पाँच वर्ष की अवस्था में ही उत्कृष्ट कविता लिखकर भारतेन्दुजी ने वंशानुगत प्रभाव को सिद्ध कर दिया। बाल्यावस्था में ही माता–पिता की छत्रछाया सिर से उठ जाने के कारण शिक्षा सुचारु रूप से न चल सकी। अत: स्वाध्याय से ही हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, मराठी, फारसी, गुजराती आदि भाषाओं का गहन ज्ञान प्राप्त करके तन–मन–धन से भाषा एवं साहित्य की सेवा में समर्पित हो गए। अत्यंत उदार एवं दानशील होने के कारण इन्होंने अनेक सभाओं एवं पुस्तकालयों आदि की स्थापना तथा साहित्यकारों की सहायता की व अनेक पत्र–पत्रिकाओं का संपादन भी किया। इनकी विद्वतमंडली में बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', बालकृष्ण भट्ट, प्रताप नारायण मिश्र आदि प्रमुख थे।

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने जीवनपर्यन्त माँ भारती की अथक सेवा की। उनकी उत्कृष्टतम समर्पित सेवा वृत्ति एवं प्रखर राष्ट्रीय भावों के कारण ही हिन्दी साहित्य के युग विशेष का नामकरण उनके नाम के आधार पर किया गया। भारतेन्दु जी देश और समाज में व्याप्त विसंगतियों को दूर करना चाहते थे, इसीलिए उनकी कविताओं, नाटकों, निबंधों आदि में स्त्री शिक्षा, समाज–सुधार, राष्ट्रीयता, एवं देश प्रेम का अद्भुत संगम दिखाई देता है। इन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से तत्कालिन रुढ़ियों, विसंगतियों एवं अंधविश्वासों पर भी करारा प्रहार किया है। इन्होंने कविता को रीतिकालीन परिवेश से निकाल कर समसामयिक जीवन से जोड़ने का स्तुत्य प्रयास किया। इसीलिए उन्हें 'आधुनिक काल का जनक' कहा जाता है।

(क) यह गद्यांश किस साहित्यकार के बारे में है –
(1) बाबू गोपालचंद्र (2) प्रेमचंद
(3) भारतेन्दु (4) बालकृष्ण भट्ट

(ख) भारतेन्दु जी को आधुनिक काल का जनक कहा जाता है क्योंकि उन्होंने –
(1) उन्होंने रीतिकाल का साहित्य लिखा।
(2) भक्ति पूर्ण रचनायें की।
(3) साहित्य को समसामयिक जीवन से जोड़ा।
(4) हिन्दी में लिखना प्रारंभ किया।

(ग) उनकी रचनाओं में स्त्रीशिक्षा, देशप्रेम, समाजसुधार व राष्ट्रीयता का संगम दिखाई देता

है, क्योंकि वह-

(1) नया समाज बनाना चाहते थे।

(2) सामाजिक विसंगतियों को दूर करना चाहते थे।

(3) समाज को उन्नतिशील बनाना चाहते थे।

(4) समाज की सेवा करना चाहते थे।

(घ) भारतेन्दु जी की ख्याति किस रूप में अमर है -

(1) हिन्दी के जन्मदाता के रूप में

(2) लेखक के रूप में

(3) कवि के रूप में

(4) आधुनिक हिन्दी गद्य के जन्मदाता के रूप में

(ङ) भारतेन्दु जी किस प्रकार के साहित्यकार थे -

(1) भक्ति साहित्यकार (2) युग निर्माता साहित्यकार

(3) रीति साहित्यकार (4) आधुनिक साहित्यकार

**3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर चुनकर लिखिए।**

**1x5=5**

दिन की गिरहस्थी समेट माँ
शाम ढले नित
सँझवाती अँचरा से घेरे
तुलसी चौरे पर धरती थी,
नहीं कभी भी बुझा सकीं
दीये की लौ को।

तेज हवाएँ और जेठ की सनकी आँधी
झक्ख मारती और टापती रह जाती थीं

दीपक धर माँ
आँखें मूँदे
पता नहीं क्या सुमिरन करती
तुलसी माई को क्या देती
क्या पाती तुलसी माई से
नित्य हथेली भीग-भीग जाती आँसू से
मूर्तिमती सी प्रार्थना करती थी माँ तब
और खोलती थीं जब आँखें
अद्भुत शांति खेलती होती मुखमंडल पर
जैसे उसने चंद क्षणों में
पूरे मन से
मन में अँटी-पटी श्रद्धा से
सौंप दिए हों
पशु-प्राणी, टोला-पड़ोस के,
गाँव देस, बारी-सिवान के
बाग-बगीचे, फ़सल-खेत के

सबके सब दुःख और दलिद्दर
तुलसी माँ को।
माँ की साँसों सी तुलसी की
घटने लगी हरिअरी दिन-दिन
और एक दिन माँ जीवन से लड़ते-लड़ते
मौन हो गईं।

(क) इस कविता का उपयुक्त शीर्षक होगा –

(i) माँ (ii) पिता (iii) भाई (iv) देश

(ख) तेज हवाएँ किसे बुझा नहीं पाती हैं –

(i) दीये की लौ को (ii) मोमबत्ती की लौ को
(iii) आग को (iv) मन के विश्वास को

(ग) कवि की माँ किसकी पूजा करती है ?

(i) सूर्य की (ii) चन्द्रमा की
(iii) गौ माता की (iv) तुलसी की

(घ) कविता के अनुसार, माँ 'तुलसी माता' को क्या सौंप देती है –

(i) सभी का दुःख-दर्द (ii) सभी की चिन्ताएँ
(iii) सभी का प्यार (iv) सभी का धन

(ङ) 'और एक दिन माँ जीवन से लड़ते-लड़ते मौन हो गई' का अर्थ है –

(i) माँ चुप हो गई (ii) माँ हार गई
(iii) माँ मौत की नींद सो गई (iv) माँ को सफलता मिल गई

**4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।**

**1x5=5**

आओ सहस्राब्दी तुम्हारा स्वागत करें
अश्रु तेल में डूबी आवश्यकताओं की बाती
कैसे दुखती रगों की जोत प्रज्वलित करें
आओ सहस्राब्दी तुम्हारा स्वागत करें।
जल बिन खेत, बिजली बिन उजियारा
बिना अन्न-पानी, पेट भरे सभी का
तरीका कोई ईज़ाद करें।
आओ सहस्राब्दी तुम्हारा स्वागत करें।
बाज़ार की चकाचौंध है, विज्ञापनों की दुनिया
खाली जब सबकी भोला चाहे धनिया
चलो आश्वासनों से मालामाल करें
आओ सहस्राब्दी तुम्हारा स्वागत करें।
बढ़ चले हैं अंधे युग की तरफ
सफर की तैयारी है जरूरत ले पड़ेगी ही
गठरी बाँध ले चलो
भोलापन, नैतिकता, दया, करुणा
ममता, समता की बात कैसे करें।
आओ सहस्राब्दी तुम्हारा स्वागत करें।

रिक्त सरकारी कोष है, घाटों का भुगतान है
कैसे दीप जलाऊँ जहाँ रोटी न आवास है।
सहस्राब्दी मेरी समस्याएँ निबटने दो
फिर आ जाना
अभी तो महाविनाश का तांडव है,

बेरोजगारी, भुखमरी, लाचारी है
सहस्राब्दी तुम्हीं बताओ कैसे स्वागत करें
आओ सहस्राब्दी तुम्हारा स्वागत करें।

(क) कवि ने 'सहस्राब्दी' को किस भावना से पुकारा है –
(i) सत्कार की भावना से (ii) प्रशंसा करने की भावना से
(iii) व्यंग्य की भावना से (iv) गर्व की भावना से

(ख) इस कविता का उपयुक्त शीर्षक होगा –
(i) आओ सहस्राब्दी (ii) आओ मित्र
(iii) आओ भाई (iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) कवि ने 'सहस्राब्दी' से प्रार्थना की है कि वह –
(i) सभी का घर भरे (ii) सभी का स्वागत करे
(iii) सभी का पेट भरे (iv) सफर की तैयारी करे

(घ) इस सहस्राब्दी में किन नैतिक बातों का पतन हो रहा है –
(i) प्यार, दया का (ii) धन का (iii) बल का (iv) समय का

(ङ) कवि ने किसे 'महाविनाश का तांडव' कहा है –
(i) बेकारी, भुखमरी व लाचारी को (ii) धन दौलत की चकाचौंध को
(iii) नैतिकता, दया, करुणा को (iv) रोटी और आवास की कमी को

## खंड - ख

5) निम्न लिखित में से सर्वनाम पदबंद छाँटिए :-

i) सदा लंबे - चौडे भाषण देनेवाले आप आज मुँह छिपाकर क्यों बैठे हैं ? 1

ii) आयोजकों ने विदेश से आए खिलाडियों को खेलगाँव में ठहराया । -----
संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखो । 1

iii) <u>उन्होंने</u> मुझे बुलाया । ------रेखांकित का पदपरिचय कीजिए । 1

iv) उसकी <u>ईमानदारी</u> की सभी प्रशंसा करते हैं । ----- रेखांकित का पदपरिचय कीजिए । 1

6) i) वह विद्यार्थी जिसने कल दौड जीती थी आज क्यों अनुपस्थित है ? रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है । 1

ii) रास्ते में भीड - भाड थी ।भीड - भाड के कारण मैं ने आने का कार्यक्रम रद्द कर दिया ।
संयुक्त वाक्य में बदलाइए । 1

iii) मैं विदेश में रहता हूँ । लेकिन मन अभी भी भारत में है । असरो एक मिश्र वाक्य बनाइए । 1

iv) इतना आराम कर ले कि कल काम कर सको । रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है । 1

7) i)‘ अन्वीक्षण ’ का संधि विच्छेद कीजिए। 1

ii) मातृ + अर्पण ----- संधि कीजिए। 1

iii)‘ विद्‍याधन ’ कौन सा समास है । 1

iv)‘ प्राणप्रिय ’का विग्रह करके समास का नाम बताइए । 1

8) i) आतंकवादियों के मन में देश के प्रति घृणा की भावना ------- भरी रहती है ।

उपयुक्त मुहावरे से वाक्य पूरा करो 1

ii) अयोग्य होने पर भी सफलता प्राप्त कर लेना -------- इसके लिए लोकोक्ति लिखो। 1

iii) एम.बी.बी.एस. के लिए दूसरी बार प्रवेश - परीक्षा देने की बजाय डेंटल कॉलेज में दाखिला लेना ----------। उपयुक्त लोकोक्ति से वाक्य पूरा करो । 1

iv) मत्थे मढना ---- ‘ मुहावरे का अर्थ लिखो । 1

9) शुद्‍ध कीजिए ।

i) नेताजी के गले में एक गुलाब की माला पहनाई गई। 1

ii) मैं पुस्तक का रात भर अध्ययन किया । 1

iii) मुझ से बेफिजूल की बातें मत करो । 1

iv) उसके अंग - अंग काटे गए । 1

## खण्ड - ग

**10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए -** **1x5=5**

सारे शीतल कोमल नूतन,
माँग रहे तुझसे ज्वाला-कण
विश्व-शलभ सिर धुन कहता ‘मैं
हाय न जल पाया तुझ में मिल’!
सिहर सिहर मेरे दीपक जल!

जलते नभ में देख असंख्यक,
स्नेहहीन नित कितने दीपक;

किया। वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यूँ तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उलटा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेज़ों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूटकर भरी है उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

**लेफ़्टीनेंट** - और भाग गया?

**कर्नल** - अपने जानिसारों समेत आज़मगढ़ की तरफ़ भाग गया। आज़मगढ़ के हुक्मरां ने उन लोगों कों अपनी हिफ़ाज़त में घागरा तक पहुँचा दिया। अब ये कारवाँ इन जंगलों में कई साल से भटक रहा है।

(क) पद से हटाने के बाद वज़ीर अली के जीवन यापन की क्या व्यवस्था की गई? 1

(ख) वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया? 2

(ग) वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाज़त कैसे की? 2

**14. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए -**

(क) 'फतह का जश्न इस जश्न के बाद है' पंक्तियों में किन दो अलग-अलग जश्नों का जिक्र किया गया है? 2

(ख) 'आत्मत्राण' कविता हमारे लिए कौन सा मार्गदर्शन प्रस्तुत करती है? क्यों? 2

(ग) 'तेरे जीवन का अणु गल-गल' से कवयित्री क्या स्पष्ट करना चाहती है? 1

**15.** 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर टोपी की उस पारिवारिक स्थिति के विषय में बताइए, जिससे उसे इफ़्फ़न की दादी अपनी लगने लगी। 3

**अथवा**

सपनों-के-से-दिन पाठ की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

**16.** टोपी की नए कलेक्टर के लड़कों से मित्रता क्यों नहीं हो पाई? 2

## खण्ड - घ

**17. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।** 5

(क) <u>बढ़ती जनसंख्या : समस्याओं की जड़</u>

- गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा की समस्याएँ
- संसाधनों की कमी
- निवारण हेतु उपाय

(ख) <u>नारी शिक्षा का महत्त्व</u>

- देश के उत्थान में सहायक
- नारी के विविध रूप
- अशिक्षित नारी की दुर्बलता
- जीवन में सफल कामकाजी नारी

(ग) <u>सबसे अनोखा मेरा देश</u>

- विविधताओं वाला देश
- विविधताओं में एकता
- प्राकृतिक सौंदर्य

**18.** कई सरकारी कार्यालयों के सूचनापट्टों पर अशुद्ध हिंदी लिखी होती है। इस ओर ध्यान दिलाते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए। **5**

**अथवा**

किसी कंपनी के क्लर्क के रिक्त पद हेतु उस कंपनी के प्रबंधक को आवेदन पत्र लिखिए।

## <u>पठित गद्य से मूल्यपरक प्रश्न (पूरक पुस्तक)</u>

19 **प्रश्न. 'टोपी शुक्ला' पाठ को स्मरण कर, उत्तर दीजिए।** 2 x 5 =10 **अंक**

**(क) टोपी के द्वारा 'अम्मी' शब्द के इस्तेमाल पर कुछ लोग चौंके। किसी भाषा को किसी धर्म के साथ जोड़ना सही नहीं है – इस पर अपने विचार लिखें।**

**(ख) कक्षा में फेल होने वाले छात्र पर अध्यापक और विद्यार्थियों के द्वारा व्यंग्य करना क्यों ठीक नहीं है?**

जलमय सागर का उर जलता,

विद्युत ले घिरता है बादल!

विहँस विहँस मेरे दीपक जल!

(i) शलभ द्वारा दीपक में जलना प्रकट करता है –

(क) आत्म बलिदान (ख) उत्कट प्रेम

(ग) जीवन की विडंबना (घ) नियति

(ii) विश्व-शलभ के पछतावे का कारण है –

(क) असफलता (ख) अवसर चूक जाना

(ग) लौ में न जल पाना (घ) लौ में जल जाना

(iii) 'स्नेहहीन दीपक' कहा गया है –

(क) मिट्‌टी के दीपक को (ख) आकाश के तारों को

(ग) हृदयरूपी दीपक को (घ) नास्तिक व्यक्ति को

(iv) 'सागर का उर जलने' से अभिप्राय है –

(क) कष्ट सहन करना। (ख) प्रायश्चित करना।

(ग) अग्नि प्रज्वलित होना। (घ) ईर्ष्या भाव रखना।

(v) काव्यांश में कवयित्री संबोधित कर रही हैं –

(क) विश्व को (ख) ईश्वर को

(ग) मंदिर के दीप को (घ) आत्म दीप को

**अथवा**

बैठि रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह।

देखि दुपहरी जेठ की छाँहौं चाहति छाँह।।

कागद पर लिखत न बनत, कहत सँदेसु लजात।

कहिहै सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात।।

(i) प्रथम दोहे का वर्ण्य विषय है –

(क) दोपहर के समय वन की स्थिति (ख) जंगल का सौंदर्य

(ग) ज्येष्ठ मास की दोपहरी (घ) वृक्षों का सांदर्य

(ii) दोपहर में छाया का वृक्षों के तने में सिमटने का कारण है –

(क) छाँव की तलाश (ख) सूर्य का सिर पर होना

(ग) वृक्षों का ठूँठ होना (घ) वृक्षों की अत्यधिक ऊँचाई

(iii) 'छाया द्वारा छाया चाहने' से कवि दर्शाना चाहते हैं –

(क) प्रकृति का स्वभाव (ख) वृक्षों की सघनता

(ग) कुदरत का कहर (घ) गर्मी की भीषणता

(iv) नायिका अपना संदेश नायक तक पहुँचाने में असमर्थ क्यों है?

(क) बोलने में असमर्थता (ख) व्याकुलता व लज्जा

(ग) अत्यधिक दूरी के कारण (घ) अशिक्षित होन के कारण

(v) नायक व नायिका की हृदय की स्थिति एक होने का कारण है –

(क) आपसी समझदारी (ख) एक सी परिस्थितियाँ
(ग) समान विरह भावना (घ) समान सामाजिक बंधन

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** **(2.5+2.5) 5**

(क) 'अब कहाँ दूसरे के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'उसकी आँसुओं से सनी आँखों में संकट और आतंक की गहरी छाप थी।' पंक्ति का आशय पाठ 'गिरगिट' के आधार पर स्पष्ट कोजिए।

(ग) झेन परम्परा की कौन-सी बड़ी देन जापानियों को मिली है? उसकी क्या विशेषता है?

(घ) कर्नल कालिंज कौन था? वह किस उद्देश्य से जंगल में खेमा लगाए बैठा था?

12. पाठ 'गिरगिट' हमें समाज की किन विसंगतियों के दर्शन कराता ह और क्या सोचने पर मज़बूर करता है? **5**

**अथवा**

'अब कहाँ दूसरों के दु:ख से ----' पाठ के आधार पर 'नूह' के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए और बताइए कि आज भी ऐसे स्वभाव वाले व्यक्तियों की ज़रुरत क्यों है?

13. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदा-चरिंदा से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं। और क्यों न आएँ-जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्ज़ा गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं। मगर अब न सोलोमन है जो उनकी ज़बान को समझकर उनका दुख बाँटे, न मेरी माँ है,जो इनके दुखों में सारी रात नमाज़ों में काटे -

(क) परिंदा-चरिंदा द्वारा शहर छोड़कर जाने का क्या कारण था? **1**

(ख) कबूतरों द्वारा घर में बार-बार आने-जाने से लेखक के परिवार को क्या परेशानी हो रही थी? **2**

(ग) परेशानी दूर करने के लिए लेखक की पत्नी ने क्या किया? उसका क्या परिणाम हुआ? **2**

**अथवा**

**लेफ़्टीनेंट** - ये कत्ल का क्या किस्सा हुआ था कर्नल?

**कर्नल** - किस्सा क्या हुआ था उसको उसके पद से हटाने के बाद वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रूपया सालाना वजीफ़ा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब